

जीवन का संघर्ष

हमारे जीवन में बहुत से उतार-चढ़ाव आते हैं लेकिन, जो इनका डट कर सामना करते हैं वही आगे बढ़ पाते हैं। हम वही कार्य कर पाते हैं जिस में हम 'सक्षम' होते हैं। तो हमें हमेशा यह सोचना चाहिए की जो मुश्किलें हमारे जीवन में आ रही हैं वह हमारी "सक्षमता" को परख रही हैं। यह बिल्कुल वैसे ही है जैसे हम परीक्षा देते हैं।

हमें पेड़ की तरह डटे रहना चाहिए, चाहे कितने ही आंधी-तुफान क्यों न आएं। जैसे पेड़ हमें छाया देता है वैसे ही अगर कोई हमसे मदद मांगे तो हमें उसकी मदद जरूर करनी चाहिए। जैसे पेड़ भुखे को बिना किसी स्वार्थ के फल देता है, वैसे ही हमें बिना किसी स्वार्थ के लोगों की मदद करनी चाहिए।

जो खुशी किसी की मदद करने पर मिलती है वह असमुह्य होती है। हम कुछ भी करे ~~लेकिन~~ लेकिन ऐसी खुशी हमें किसी और बात से मिल ही नहीं सकती।

मानवता, ही जीवन का मुख्य स्तंभ होता है। यही रक्त
ऐसा गुण है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को ज्यादा
निश्चिन्ता है। इस व्यक्तित्व के कारण व्यक्ति हमेशा खुश
रहता है और उसे चैन की जिंद आती है। खुश रहिए
और सबकी मदद कीजिए।

नाम :- वैष्णवी गणेश मंड्रा

कक्षा :- 12वीं

Email :- vaishnavimanz@gmail.com.